रिपोर्ट

हिंदी साहित्य सभा द्वारा 'भक्तिकाव्य और मानव-मूल्य' विषय पर सेमिनार का आयोजन

श्यामलाल कॉलेज की हिन्दी साहित्य सभा द्वारा हिन्दी विभाग और आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार, 8 नवंबर, 2023 को ***'भक्तिकाव्य और मानव-मूल्य'*** विषय पर एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के देशबंधु कॉलेज में हिन्दी विभाग के प्रोफेसर मनोज कुमार कुमार सिंह इस संगोष्ठी के मुख्य वक्ता थे।

प्रोफेसर मनोज कुमार कुमार सिंह ने कहा कि मानवता और करुणा ही भक्तिकाव्य का मूल सन्देश है और यह आधुनिक मानव और धर्मनिरपेक्ष समाज की प्रस्तावना करने वाला साहित्य है। भक्तिकाव्य का महत्व बताते हुए उन्होंने रेखांकित किया कि भारत में कबीर यूरोप में प्रोटेस्टेंट मत के प्रवर्तक मार्टिन लूथर किंग के भी अग्रगामी थे। आधुनिक साहित्य की अंगुली समाज की तरफ है, भक्तिकाव्य की अंगुली अपनी तरफ है। यह काव्य प्रेम के कठिन मार्ग पर चलने की सीख देता है।

डॉ सत्यप्रिय पांडेय ने भी भक्तिकाव्य को लेकर अपने विचार विद्यार्थियों से साझा किए। उन्होंने कहा कि भक्तिकाव्य तन्मयता की कविता है। यह भौतिकता के विरुद्ध त्याग का संदेश देता है। विद्यार्थियों के साथ–साथ अन्य महाविद्यालयों के 70 से ज्यादा विद्यार्थी–शोधार्थियों ने भी इस सेमिनार में शिरकत की। हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ राजकुमार प्रसाद ने अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस अवसर पर हिंदी विभाग के विद्यार्थियों द्वारा तैयार विभागीय भित्ति पत्रिका के नए अंक का विमोचन भी प्राचार्य प्रो. रबी नारायण कर द्वारा किया गया। छात्रों ने इस बार ***उत्सव*** थीम पर पत्रिका की सामग्री का संकलन किया था। प्रोफ़ेसर रबी नारायण कर ने विद्यार्थियों की इस पहल की सराहना की और कहा कि भित्ति पत्रिका जैसे प्रयासों से विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति क्षमता बढती है और उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास होता है।

हिंदी साहित्य सभा
श्यामलाल कॉलेज
एकदिवसीय संगोष्ठी
'भक्तिकाव्य और मानव-मूल्य'
प्रो. मनोज कुमार सिंह
देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. राजकुमार प्रसाद
(प्रभारी, हिन्दी विभाग)
SHYAM LAL COLLEGE
University of Delhi

हिंदी साहित्य सभा
श्यामलाल कॉलेज
एकदिवसीय संगोष्ठी
'भक्तिकाव्य और मानव-मूल्य'
स्थान : बोर्ड रूम, श्यामलाल कॉलेज
दिनांक : 08-11-2023 (बुधवार)
समय : 12:30 अपराह्न
प्रो. मनोज कुमार सिंह
देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रो. द्वारिका प्रसाद 'चारुमित्र'
सत्यवती कॉलेज(सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रो. कुशा तिवारी
(निदेशक, आई.क्यू.ए.सी.)
प्रो. रबी नारायण कर
(प्राचार्य, श्यामलाल कॉलेज)

हिंदी साहित्य सभा
श्यामलाल कॉलेज
एकदिवसीय संगोष्ठी
'भक्तिकाव्य और मानव-मूल्य'
स्थान : बोर्ड रूम, श्यामलाल कॉलेज
दिनांक : 08-11-2023 (बुधवार)
समय : 12:30 अपराह्न
प्रो. मनोज कुमार सिंह
देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रो. कुशा तिवारी
(निदेशक, आई.क्यू.ए.सी.)
प्रो. रबी नारायण कर
(प्राचार्य, श्यामलाल कॉलेज)

हिंदी साहित्य परिषद
हिंदी विभाग श्याम लाल कॉलेज